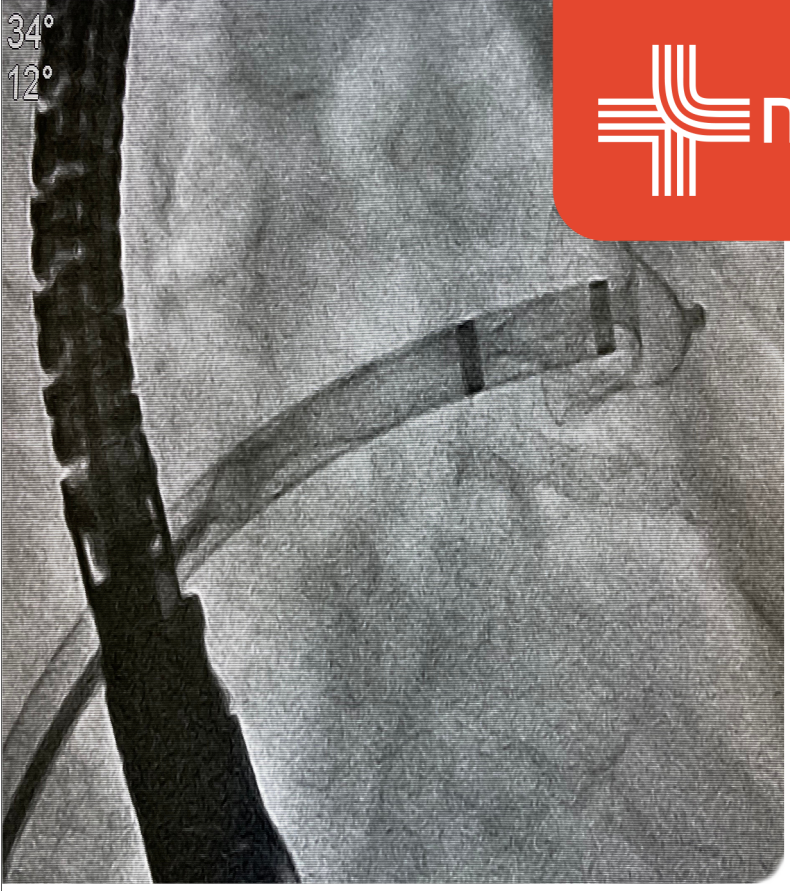

medanta

लेफ्ट एट्रिअल ऍपेन्डेज़ क्लोज़र (एल.ए.ए.)

MEDANTA
HEART INSTITUTE

लेफ्ट एट्रिअल ऍपेन्डेज़ क्लोज़र क्या है?

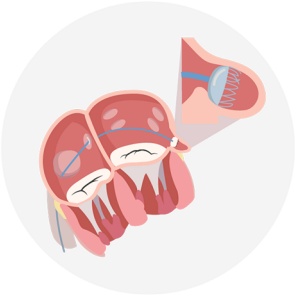

लेफ्ट एट्रियल ऍपेन्डेज़ (एल.ए.ए.) क्लोज़र एक सर्जिकल व न्यूनतम इनवेसिव प्रक्रिया है जो आपके स्ट्रोक के जोखिम को कम कर सकती है। इस प्रक्रिया में एक छोटे, छतरी जैसे उपकरण का उपयोग करके डॉक्टर आपके एल.ए.ए.को बंद कर देते है। एल.ए.ए. पाउच के जैसा दिखने वाला हृदय का एक छोटा हिस्सा होता है।

लेफ्ट एट्रिअल ऍपेन्डेज़ क्लोज़र की आवश्यकता कब पड़ सकती है?

डॉक्टर मरीज़ के स्वास्थ्य और चिकित्सा इतिहास का मूल्यांकन करके इस निष्कर्ष पर पहुँचते हैं कि क्या एलएए क्लोज़र मरीज़ के लिए एक अच्छा विकल्प है या नहीं। निम्नलिखित स्थितियों में डॉक्टर मरीज़ को इस प्रक्रिया की सलाह दे सकते हैं:

- एट्रिअल फिब्रिलेशन (अनियमित दिल की धड़कन) स्ट्रोक के जोखिम को बढ़ा सकती है। इन रोगियों में एल.ए.ए रक्त के थक्कों का एक सामान्य स्रोत होता है।
- कुछ लोगों को रक्त पतला करने वाली दवाओं (जैसे वारफेरिन) से एलर्जी या अन्य दुष्प्रभाव हो सकते हैं। इन लोगों में, एल.ए.ए क्लोज़र रक्त के थक्कों को रोकने का एक विकल्प हो सकता है।
- जिन लोगों में मशीनी हृदय वाल्व होते हैं, उन्हें रक्त के थक्कों को रोकने के लिए दवाएँ लेने की आवश्यकता होती है। यदि वे इन दवाओं को नहीं ले पा रहे हैं तो एल.ए.ए क्लोज़र एक विकल्प हो सकता है।
- कुछ लोगों में स्ट्रोक का जोखिम अधिक हो सकता है। इन लोगों में, एल.ए.ए क्लोज़र स्ट्रोक के जोखिम को कम करने में मदद कर सकता है।

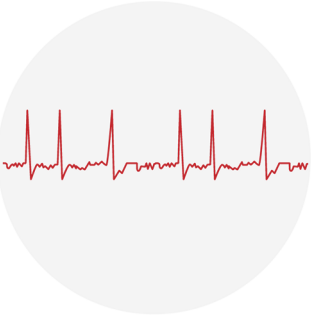

लेफ्ट एट्रिअल ऍपेन्डेज़ क्लोज़र के पहले क्या सावधानियां बरतनी चाहिए?

- एल.ए.ए क्लोज़र के लिए अच्छी तरह से तैयार होना महत्वपूर्ण है। सबसे पहले यदि मरीज़ के कोई प्रश्न हैं, तो डॉक्टर से बात कर इनके उत्तर पाऐं।
- डॉक्टर द्वारा बताई गई सभी दवाएँ नियमित रूप से लें।
- यदि मरीज़ को कोई एलर्जी है तो डॉक्टर को पहले से ही सूचित करें।
- एल.ए.ए क्लोज़र से पहले रक्त पतला करने वाली दवाओं को बंद करने के बारे में डॉक्टर के निर्देशों का पालन करें।
- धूम्रपान और शराब का सेवन न करें।
- प्रक्रिया से छह घंटे पहले खाना-पीना बंद करें और मूत्राशय को खाली रखें।

लेफ्ट एट्रिअल ऍपेन्डेज़ क्लोज़र के दौरान क्या होता है?

- इस प्रक्रिया के दौरान डॉक्टर मरीज़ के कमर के पास की एक नस में एक कैथेटर डालते हैं। इस कैथेटर में एल.ए.ए.क्लोज़र डिवाइस भी होता है।

- कैथेटर को मरीज़ की दाहिनी एट्रियम (हृदय का ऊपरी दाहिना कक्ष) तक पहुंचाया जाता है।
- डॉक्टर मरीज़ के बाएं और दाएं एट्रियम के बीच एक छोटा सा छेद बनाते हैं।
- कैथेटर को इस छेद से होकर मरीज़ के बाएं एट्रियम अपेंडेज (एल.ए.ए.) तक ले जाया जाता है।
- डॉक्टर एल.ए.ए. को एक डिवाइस के माध्यम से सील कर देते हैं जो थक्के बनने से रोकता है।

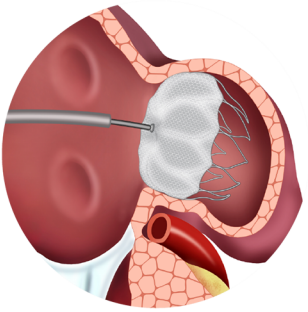

लेफ्ट एट्रिअल ऍपेन्डेज़ क्लोज़र के बाद क्या होता है?

- सर्जरी के बाद, डॉक्टर मरीज़ को निगरानी के लिए रिकवरी कक्ष में स्थानांतरित करते हैं, जहां एक मेडिकल टीम मरीज़ के रक्तचाप, श्वसन, तापमान, और अन्य शारीरिक माणकों पर नज़र रखती है।
- कई बार प्रक्रिया के 48 घंटों के भीतर डॉक्टर ट्रांस-ओसोफेगल इको दुबारा करते है।
- डिवाइस लगाने के बाद, मरीज़ को 45 दिनों तक वारफेरिन और एस्पिरिन लेने की सलाह दी जाती है।
- इसके बाद डॉक्टर मरीज़ को अगले छह महीने के लिए क्लोपिडोग्रेल और एस्पिरिन दे सकते है।

लेफ्ट एट्रिअल ऍपेन्डेज़ क्लोज़र में क्या जोखिम हो सकते हैं?

किसी भी सर्जरी की तरह, लेफ्ट एट्रिअल ऍपेन्डेज़ बंद प्रक्रिया के भी कुछ जोखिम हो सकते हैं। इनमें से कुछ निम्नलिखित हैं:

- हृदय के आसपास के हिस्सों में क्षति
- डिवाइस द्वारा एल.ए.ए.को पूरी तरह से बंद नहीं कर पाना
- डिवाइस का अपने स्थान से हिलना
- डिवाइस पर रक्त का थक्का बनना
- डिवाइस और दवाओं से एलर्जी
- दिल की अनियमित धड़कन (एरिथमिया)
- चोट लगना और खून बहना
- संक्रमण
- स्ट्रोक

किन परिस्थितियों में तुरंत अपने डॉक्टर से संपर्क करें?

अगर मरीज़ को निम्नलिखित में से कोई भी लक्षण महसूस हो तो तुरंत डॉक्टर को सूचित करें:

- बुखार या संक्रमण के अन्य लक्षण जैसे कि ठंड लगना, सूजन, या चीरे से तरल रिसाव
- दिल की असामान्य धड़कन या पल्पिटेशन
- सीने में तेज दर्द या ऐसा दर्द जो आता-जाता रहता है

24/7 सेवा

मेदांता **24X7**
आपातकालीन हेल्पलाइन

1068

अपॉइंटमेंट बुक करने
के लिए स्कैन करें

medanta हेल्पलाइन
890-439-5588
Visit us at : www.medanta.org

मेदांता नेटवर्क: गुरुग्राम । दिल्ली । लखनऊ । पटना । इंदौर । रांची । नोएडा *
शीघ्र प्रारम्भ